न्यूज़ टुडे

कैबिनेट ने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के तहत संचालित फसल बीमा योजना में संशोधन को मंजूरी दी

कैबिनेट ने **प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना (RWBCIS) को 2025-26 तक जारी** रखने की मंजूरी दी है।

प्रमुख संशोधन जिन्हें मंजूरी प्रदान की गई है

- इन योजनाओं को **2025-26** तक जारी रखा जाएगा और इनके लिए कुल **69,515.71 करोड़ रुपये** का बजट निर्धारित किया गया है।
- **नवाचार और प्रौद्योगिकी कोष (FIAT)** के माध्यम से बड़े पैमाने पर प्रौद्योगिकी को अपनाया जाएगा। इसके लिए कुल **824.77 करोड़ रुपये** का बजट निर्धारित किया गया है।
  - इस कोष का उपयोग **प्रौद्योगिकी आधारित उपज आकलन प्रणाली (यस-टेक), मौसम की जानकारी और नेटवर्क डेटा सिस्टम (विंड्स)** जैसी पहलों के वित्त-पोषण के लिए किया जाएगा।

प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना (RWBCIS) के बारे में

- **उद्देश्य:** बुवाई से पहले से लेकर **कटाई के बाद** तक न रोकी जा सकने वाले सभी प्राकृतिक जोखिमों के प्रति एक **किफायती और व्यापक फसल बीमा कवर प्रदान** करना।
  - RWBCIS, **बीमित किसानों को प्रतिकूल मौसम दशाओं** जैसे कि वर्षा, चरम तापमान, तूफ़ान, आर्द्रता आदि से होने वाले **नुकसान** के खिलाफ बीमा कवर प्रदान करता है।
  - PMFBY और RWBCIS में **किसानों के बीमा दावों का आकलन करने की पद्धतियां अलग-अलग** हैं।
- **कवरेज:** अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलें उगाने वाले बटाईदार और काश्तकार किसानों सहित सभी किसान कवरेज के लिए पात्र हैं।
- **कवर की गई फसलें: खाद्य फसलें** (अनाज, मिलेट्स और दालें); तिलहन; वार्षिक वाणिज्यिक/ वार्षिक बागवानी फसलें; आदि।
- **कवर किए गए जोखिम:**
  - **बुनियादी कवर:** फसल के नुकसान से होने वाले आर्थिक नुकसान से सुरक्षा।
  - विशिष्ट आवश्यकताओं के आधार पर **अतिरिक्त कवर।**
  - **फसल कटाई के बाद** होने वाले आर्थिक नुकसान से सुरक्षा (कटाई के बाद अधिकतम 2 सप्ताह तक)।
  - स्थानीय आपदाओं से होने वाले आर्थिक नुकसान से सुरक्षा, आदि।
- **किसानों द्वारा देय प्रीमियम:**
  - **खरीफ फसलों के लिए 2%;**
  - **रबी फसलों के लिए 1.5%; और**
  - **वाणिज्यिक बागवानी फसलों के लिए 5% निर्धारित है।**
- **इसमें क्या कवर नहीं होता है?**
  - युद्ध, परमाणु जोखिम तथा रोके जा सकने वाले अन्य जोखिमों से होने वाला आर्थिक नुकसान।

योजना के तहत प्रौद्योगिकी को अपनाने की दिशा में प्रमुख प्रयास

- **राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल:** बेहतर गवर्नेंस और समन्वय के लिए।
- **यस-टेक: ग्राम पंचायत** स्तर पर उपज के प्रत्यक्ष आकलन के लिए।
- **विंड्स (WINDS):** फसल बीमा के लिए दीर्घकालिक एवं अति-स्थानीकृत **मौसम डेटा तैयार** करने के लिए।

जल शक्ति मंत्रालय ने वार्षिक भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट, 2024 जारी की

पहली बार, इस रिपोर्ट में **भूजल गुणवत्ता निगरानी के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (SOP)** प्रस्तुत की गई है। इससे **डेटा संग्रह, विश्लेषण और व्याख्या में एकरूपता** सुनिश्चित होती है।

भूजल की स्थिति

- **भारत विश्व में सबसे बड़ा भूजल उपयोगकर्ता है।** वैश्विक स्तर पर जितना भूजल उपयोग किया जाता है, उसका **25% से अधिक** अकेले भारत में उपयोग होता है।
- **भूजल निकासी का 87% कृषि क्षेत्रक में तथा लगभग 11% घरेलू क्षेत्रक** में उपयोग किया जाता है।

इस रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं पर एक नज़र

- **क्षेत्रीय भिन्नता: अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम** आदि राज्यों में भूजल के **100% सैंपल BIS मानकों** को पूरा करते हैं, जबकि **राजस्थान, हरियाणा और आंध्र प्रदेश** के सैंपल में व्यापक संदूषण (Contamination) पाया गया है।
- **सिंचाई के लिए योग्य: अरुणाचल प्रदेश, असम, त्रिपुरा** आदि राज्यों में **सिंचाई के लिए उत्कृष्ट श्रेणी का जल उपलब्ध है।**
  - **आंध्र प्रदेश, गुजरात, हरियाणा आदि राज्यों के भूजल में सोडियम की मात्रा बहुत अधिक है।** इससे भूजल सिंचाई के लिए अनुपयुक्त बन जाता है।
- **चिंताजनक मुख्य प्रदूषक: नाइट्रेट** (राजस्थान, तमिलनाडु और महाराष्ट्र), **फ्लोराइड** (हरियाणा व कर्नाटक), **आर्सेनिक** (गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों के बाढ़ के मैदान), **यूरेनियम** (राजस्थान एवं पंजाब), आदि।

भूजल की गुणवत्ता में गिरावट के लिए जिम्मेदार प्रमुख कारक

- **औद्योगीकरण:** भारी धातुओं, रसायनों और विलायकों सहित अनुपचारित औद्योगिक अपशिष्ट को खुले में छोड़ना।
- **कृषि प्रणालियां:** खेती में उर्वरकों और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग करना।
- **शहरीकरण:** अकुशल अपशिष्ट निपटान, सीवरेज लीकेज और लैंडफिल संदूषण।
- **जलवायु परिवर्तन:** वर्षा के पैटर्न में परिवर्तन और अत्यधिक भूजल निकासी से जलभृतों (Aquifers) की पुनर्भरण क्षमता प्रभावित होती है।

भूजल संरक्षण पहल

भू-नीर पोर्टल
बेहतर भूजल विनियमन के लिए

राष्ट्रीय जलभृत मानचित्रण और प्रबंधन कार्यक्रम (NAQUIM)
जलभृतों के संधारणीय प्रबंधन के लिए

अटल भूजल योजना
समुदाय की भागीदारी से भूजल का संधारणीय प्रबंधन

जल शक्ति अभियान
वर्षा जल संचयन और जल प्रबंधन को बेहतर करने के लिए अभियान

क्वाड्रीलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग (क्वाड/ QUAD) ने पारस्परिक सहयोग के 20 वर्ष पूरे किए

क्वाड के 20 वर्ष पूरे होने के अवसर पर, सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों ने **मानवीय सहायता और आपदा राहत के प्रति अपनी मूलभूत प्रतिबद्धता** दोहराई।

- साथ ही, उन्होंने **मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत; प्रशांत क्षेत्र के देशों के नेतृत्व वाली क्षेत्रीय व्यवस्था को समर्थन; हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आसियान की केंद्रीयता** और **इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन (IORA)** के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की।
  - **आसियान यानी 'दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन' की केंद्रीयता** दर्शाती है कि क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने एवं क्षेत्रीय चुनौतियों का सामना करने में इसकी अहम भूमिका है।

क्वाड के बारे में

- **परिचय:** यह **ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान** और **संयुक्त राज्य अमेरिका** के बीच एक प्रकार की **रणनीतिक-कूटनीतिक साझेदारी** है। **क्वाड** का उद्देश्य एक ऐसा हिंद-प्रशांत क्षेत्र बनाना है जो न केवल **खुला** और **स्थिर** हो, बल्कि सभी के लिए **समावेशी** और **चुनौतियों का सामना करने में सक्षम** हो।
- **उत्पत्ति:** क्वाड का इतिहास **दिसंबर, 2004** से जुड़ा है, जब इन चारों देशों ने मिलकर **हिंद महासागर में आई सुनामी** से प्रभावित देशों को सहायता प्रदान की थी।
  - इस समूह के देशों की **पहली अनौपचारिक बैठक 2007** में फिलीपींस के मनीला में आसियान क्षेत्रीय फोरम के दौरान आयोजित की गई थी। हालांकि, इसके बाद यह समूह कई वर्षों तक निष्क्रिय रहा।
- **पुनः शुरुआत:** क्वाड के चारों देशों की **पहली आधिकारिक वार्ता 2017** में **फिलीपींस** में हुई थी।

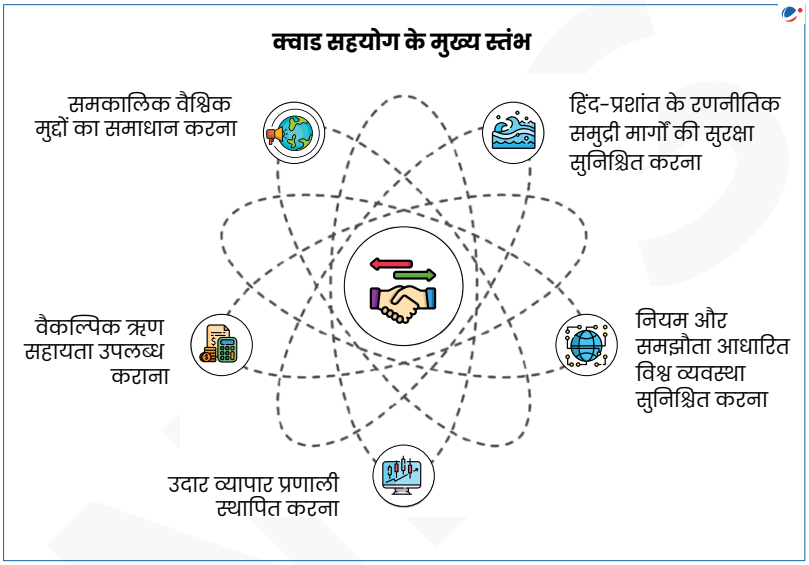

भारत के लिए क्वाड का महत्त्व

- **समान विचारधारा वाले देशों के साथ साझेदारी:** यह समूह भारत को हिंद-प्रशांत क्षेत्र की व्यवस्था को अपने हितों के अनुसार आकार देने में सहायता करता है। यह भारत को अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर **स्वतंत्र निर्णय लेने** और इस क्षेत्र के **अन्य हितधारक देशों व संगठनों के साथ साझेदारी बनाए रखने** की स्वायत्तता भी प्रदान करता है।
- **क्षेत्र में भारत की स्थिति को मजबूत करना:** यह समूह भारत को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में, **विशेष रूप से हिंद महासागर क्षेत्र में** एक **अग्रणी शक्ति** और **पब्लिक गुड्स** उपलब्ध कराने वाले देश के रूप में स्थापित करने में सहायता करता है।
- **आर्थिक लाभ:** यह समूह भारत को **निवेशकों के लिए पसंदीदा देश** बनने के साथ-साथ **आसियान देशों के साथ आर्थिक संबंध बनाए रखने में मदद** करता है।
- **चीन के बढ़ते प्रभाव से रणनीतिक रूप से निपटना:** इस मामले में भारत को क्वाड देशों से **नौसैनिक सहायता सहित कई अन्य प्रकार की मदद** मिल रही है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने किसानों के लिए डाय-अमोनियम फॉस्फेट (DAP) पर एकमुश्त विशेष पैकेज की समय-सीमा बढ़ाने को मंजूरी दी

DAP एकमुश्त विशेष पैकेज, पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (NBS) के अलावा दिया गया है।

- गौरतलब है कि जुलाई 2024 में, मंत्रिमंडल ने **किसानों को कम कीमत पर DAP उपलब्ध कराने के लिए** "**DAP पर एकमुश्त विशेष पैकेज**' को मंजूरी दी थी।
- यह सहायता पैकेज 31 दिसंबर, 2024 तक के लिए था। अब इसे **1 जनवरी, 2025 से अगले आदेश तक जारी रखने को मंजूरी** दी गई है।

DAP के बारे में

- यह **सबसे अधिक उपयोग किए जाने वाले फास्फोरस उर्वरकों** में से एक है। DAP, फसलों के लिए **फास्फोरस (P) और नाइट्रोजन (N), दोनों का उपयुक्त स्रोत** है।
  - फास्फोरस पौधों की जड़ों के विकास, उनमें फूल लगने और बीज उत्पादन आदि के लिए आवश्यक है।
- इसका उत्पादन अनुकूल परिस्थितियों में **अमोनिया के साथ फॉस्फोरिक एसिड की अभिक्रिया** करके किया जाता है।

भारत में रासायनिक उर्वरक की अधिक खपत को कम करने के लिए उठाए गए हालिया कदम

- **नीम-लेपित यूरिया (Neem-Coated Urea):** इसके तहत किसानों को आपूर्ति की जाने **वाली 100% यूरिया का नीम-लेपित होना अनिवार्य** किया गया है।
- **नैनो उर्वरक:** इफको **नैनो यूरिया** का उत्पादन कर रहा है।
- **पीएम प्रणाम/ PRANAM (प्रोग्राम फ़ॉर रेस्टोरेशन, अवेयरनेस जनरेशन, नौरिश्मेंट, एंड अमेलियरेशन ऑफ मदर अर्थ):** इसका उद्देश्य रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करना है।
- **वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देना:** ऑर्गेनिक उर्वरकों, जैव-उर्वरकों और प्राकृतिक खेती आदि को बढ़ावा दिया जा रहा है।

भारत में उर्वरक सब्सिडी

- सरकार यह सब्सिडी **उर्वरक उत्पादकों, आयातकों और किसानों** को देती है। सब्सिडी देने का उद्देश्य किसानों को **कम कीमत पर उर्वरक उपलब्ध कराना, कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देना,** आदि है।
- **उर्वरक सब्सिडी के कुछ प्रकार निम्नलिखित हैं:**
  - **प्रत्यक्ष लाभ अंतरण सब्सिडी:** इसके तहत केंद्र सरकार **उर्वरक कंपनियों को अलग-अलग उर्वरक ग्रेड्स पर 100% सब्सिडी** जारी करती है। आधार नंबर सत्यापन के बाद किसानों को वास्तविक मात्रा में बेचे गए उर्वरक के आधार पर कंपनियों को सब्सिडी जारी की जाती है।
  - **यूरिया सब्सिडी:** इसके तहत वैधानिक रूप से **अधिसूचित अधिकतम खुदरा मूल्य (MRP) पर किसानों को यूरिया उर्वरक** उपलब्ध कराया जाता है।
    - सरकार, यूरिया उत्पादन मूल्य और किसानों को बेचे गए अधिकतम खुदरा मूल्य के बीच का अंतर यूरिया उत्पादकों को प्रदान करती है।
- **पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (NBS) नीति:** फॉस्फेटिक और पोटाशिक (P&K) **उर्वरकों** के बाजार मूल्य नियंत्रण मुक्त हैं। उर्वरक उत्पादक उर्वरक का बिक्री मूल्य तय करने के लिए स्वतंत्र हैं। उन्हें उर्वरक उत्पादन में पोषक तत्व सामग्री के उपयोग के आधार पर वार्षिक या अर्धवार्षिक आधार पर सब्सिडी की एक निश्चित राशि प्रदान की जाती है।

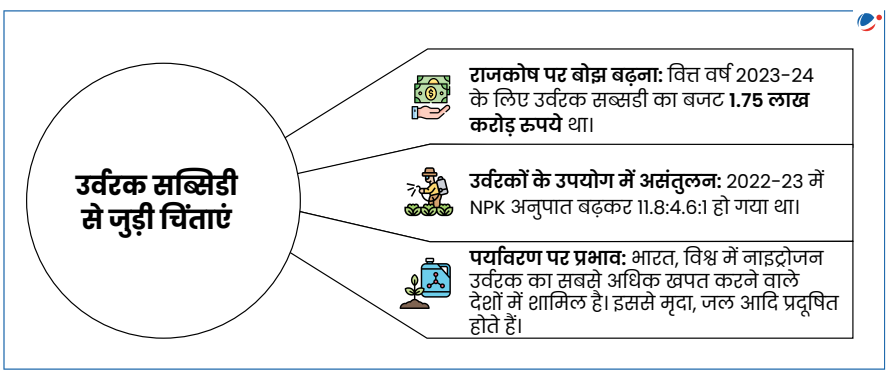

शिक्षा मंत्रालय ने 'स्कूली शिक्षा पर एकीकृत जिला सूचना प्रणाली प्लस (UDISE+) 2023-24 रिपोर्ट' जारी की

- इस रिपोर्ट में पहली बार 2022-23 से UDISE+ के माध्यम से **देश के सभी मान्यता प्राप्त स्कूलों से राष्ट्रीय स्तर पर प्रत्येक छात्र का डेटा एकत्र** किया गया है।
  - UDISE+ रिपोर्ट **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP), 2020** की सिफारिशों के अनुरूप है।
- **रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर:**
  - **छात्र नामांकन:** देश भर में **स्कूल नामांकन में समग्र रूप से गिरावट** दर्ज की गई है। 2022-23 में 25.18 करोड़ स्कूल नामांकन हुए थे। **2023-24 में गिरावट के साथ 24.8 करोड़** नामांकन हुए थे।
    - यह 2018-19 से 2021-22 तक **लगभग 1.55 करोड़ छात्रों (लगभग 6%) की गिरावट** को दर्शाता है।
  - **ड्रॉपआउट (पढ़ाई बीच में छोड़ने वाले बच्चे): बुनियादी स्तर पर (प्री-प्राइमरी से कक्षा 2 तक) शून्य-ड्रॉपआउट** दर दर्ज की गई है। ऐसा इस कारण, क्योंकि आंगनवाड़ी व स्टैंड अलोन प्री-प्राइमरी विद्यालयों के छात्रों को मान्यता प्राप्त विद्यालयों में सीधे कक्षा 1 में प्रवेश दे दिया जाता है।
    - **उच्चतम ड्रॉपआउट दर माध्यमिक स्तर (कक्षा 9 से 12)** पर दर्ज की गई है।
    - **बिहार, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में नामांकन में सबसे अधिक गिरावट** दर्ज की गई है।
  - **प्रतिधारण दर (रिटेंशन रेट):** प्रारंभिक (Elementary) स्तर पर अधिक देखी गई है।
  - **सकल नामांकन अनुपात (GER): माध्यमिक स्तर को छोड़कर सभी स्तरों पर मामूली गिरावट** दर्ज की गई है।
    - GER **शिक्षा के एक विशिष्ट स्तर में नामांकन की तुलना उस आयु वर्ग की आबादी** से करता है, जो शिक्षा के उस स्तर के लिए आयु उपयुक्त है।
  - **स्कूल संबंधी अवसंरचनाएं: असम, ओडिशा और कर्नाटक में छात्र-स्कूल अनुपात कम** होने के कारण स्कूली अवसंरचनाओं का कम उपयोग हो रहा है।

UDISE+ के बारे में

- 2018-19 में **स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने स्कूलों से ऑनलाइन डेटा संग्रह** की UDISE+ प्रणाली विकसित की थी। इस प्रणाली को स्कूलों से संबंधित डेटा को कागजी प्रारूप में मैनुअल तरीके से भरने से जो समस्याएं उत्पन्न होती थी, उन्हें दूर करने के लिए विकसित किया गया है।
- UDISE+ एक ऑनलाइन डेटा कलेक्शन फॉर्म के माध्यम से स्कूल, अवसंरचना, शिक्षक, नामांकन, परीक्षा परिणाम जैसे मापदंडों पर जानकारी एकत्र करता है।

विश्व बैंक के अनुसार, 2024 में भारत ने वैश्विक विप्रेषण का सबसे अधिक हिस्सा प्राप्त किया

भारत ने **2024 में कुल वैश्विक विप्रेषण (Remittance) का 14.3% हिस्सा प्राप्त** किया है। गौरतलब है कि विदेश में काम करने वाले व्यक्तियों द्वारा अपने देश में अपने परिवारों को भेजी जाने वाली धनराशि को 'विप्रेषण' कहा जाता है।

वैश्विक स्तर पर विप्रेषण संबंधी ट्रेंड्स

- **2024 में शीर्ष पांच प्राप्तकर्ता:** भारत **129 बिलियन डॉलर** के साथ **पहले** स्थान पर है। इसके बाद **मेक्सिको, चीन, फिलीपींस, और पाकिस्तान** का स्थान है। विप्रेषण में यह वृद्धि **OECD देशों में रोजगार संबंधी बाजारों की पुनर्बहाली** के कारण हुई है। ज्ञातव्य है कि 2023 में भारत को **125 बिलियन डॉलर** का विप्रेषण प्राप्त हुआ था।
- **निम्न और मध्यम आय वाले देशों में विप्रेषण:** 2024 में इन देशों में विप्रेषण का स्तर **5.8% की वृद्धि दर के साथ 685 बिलियन डॉलर** तक बढ़ने का अनुमान है।
- **चीन के विप्रेषण में कमी:** 2024 में चीन ने वैश्विक विप्रेषण का केवल **5.3% हिस्सा** ही प्राप्त किया है। यह पिछले **दो दशकों में सबसे कम** है। यह चीन की आर्थिक समृद्धि और वृद्ध होती जनसंख्या के कारण कम-कौशल वाले उत्प्रवास (Emigration) में गिरावट के चलते हुआ है।

भारत में उच्च विप्रेषण में योगदान देने वाले कारक

- **प्रवास का स्तर:** भारत दुनिया में सबसे बड़ी प्रवासी आबादी (Diaspora) वाले देशों में से एक है। **संयुक्त राष्ट्र विश्व प्रवास रिपोर्ट 2024** के आंकड़े दर्शाते हैं कि वर्ष 2023 तक 18 मिलियन से अधिक भारतीय नागरिक विदेशों में निवास कर रहे थे।
- **नये गंतव्य देशों में प्रवास:** ज्यादातर भारतीय प्रवासी अब तेजी से **संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम और ऑस्ट्रेलिया** जैसे उच्च आय वाले देशों में प्रवास कर रहे हैं।
- **कुशल और अकुशल श्रमिक:** भारतीय प्रवासियों में अत्यधिक कुशल पेशेवरों (IT, स्वास्थ्य देखभाल, आदि) से लेकर अर्ध-कुशल और अकुशल श्रमिक शामिल हैं।

उच्च विप्रेषण का महत्त्व

- **प्राप्तकर्ता परिवारों के लिए महत्त्व:** इसका उपयोग भोजन, स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा जैसे आवश्यक खर्चों के लिए किया जाता है। इससे जीवन स्तर में प्रत्यक्ष रूप से सुधार होता है।
- **व्यापक आर्थिक महत्त्व:**
  - यह विदेशी मुद्रा का प्रमुख स्रोत है।
  - इससे विदेशी सहायता पर निर्भरता में कमी आती है।
  - इससे चालू खाता और राजकोषीय घाटे के वित्त-पोषण में मदद मिलती है, आदि।

अन्य सुर्ख़ियां

गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (NPAs)

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने दिसंबर, 2024 में **वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट** जारी की।

- इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत के बैंकों का **सकल NPA अनुपात** कम होकर **2.6%** हो गया है। यह अनुपात **पिछले 12 वर्षों में सबसे कम** है।

NPA के बारे में

- NPAs **बैंकों के डिफॉल्ट या बकाया ऋण या अग्रिम** होते हैं। वास्तव में NPAs बैंकों के ऐसे ऋण या अग्रिम होते हैं जिनसे उन्हें कोई आय प्राप्त नहीं हो रही होती है।
  - जब **मूलधन या ब्याज का भुगतान नियत समय पर नहीं किया जाता है या भुगतान में चूक** होती है तब वह ऋण **बकाया (Arrears)** कहलाता है। वहीं जब ब्याज या मूलधन की किस्त, या दोनों, **90 दिनों से अधिक समय तक बकाया** रहती है तो वह NPA बन जाती है।
- GNPA उन सभी **ऋण परिसंपत्तियों का योग** है जिन्हें NPA के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

तम्बाकू बोर्ड

हाल ही में, तम्बाकू बोर्ड ने अपना स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर बोर्ड ने बताया कि **फ्लू-क्योर वर्जीनिया (FCV) तम्बाकू उत्पादक किसानों की आय 2019-20 और 2023-24 के बीच दोगुनी से अधिक** हो गई।

- FCV तम्बाकू **उच्च गुणवत्ता वाली और सुगंधित** तम्बाकू किस्म है। इसका **सिगरेट के उत्पादन में व्यापक रूप से उपयोग** किया जाता है।
- वर्तमान में भारत, दुनिया में **तम्बाकू का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। तंबाकू का सबसे बड़ा उत्पादक देश** चीन है।
  - FCV तम्बाकू के उत्पादन के मामले में **भारत, विश्व में चौथे स्थान** पर है।

तम्बाकू बोर्ड के बारे में

- इसका मुख्यालय **आंध्र प्रदेश** में स्थित है।
- **स्थापना:** इसकी स्थापना संसद के **'तम्बाकू बोर्ड अधिनियम, 1975'** के तहत **1 जनवरी, 1976** को हुई थी।
- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य तम्बाकू उद्योग के विकास को बढ़ावा देना है। साथ ही, यह **FCV तम्बाकू के उत्पादन, वितरण और निर्यात का विनियमन** भी करता है।
- **मंत्रालय:** यह वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के **वाणिज्य विभाग** के तहत कार्य करता है।

टाइटेनियम

हाल ही में, एक भारतीय फर्म **एयरोस्पेस-ग्रेड टाइटेनियम मिश्र धातु** के उत्पादन के लिए **वैक्यूम आर्क रीमेल्टिंग (VAR) फर्नेस** शुरू करने वाली **भारत की पहली निजी कंपनी** बन गई।

- **वैक्यूम आर्क रीमेल्टिंग** का उपयोग स्टेनलेस स्टील, **निकेल और टाइटेनियम-आधारित मिश्र धातु जैसी कई मिश्र धातुओं को वैक्यूम स्थितियों में शुद्ध करने के लिए** किया जाता है। इससे संबंधित धातु की **संरचना में उत्कृष्टता** और **मिश्र धातु का समान संघटन** सुनिश्चित होता है।

टाइटेनियम के बारे में

- **प्रकृति:** कठोर, चमकदार और मजबूत धातु।
  टाइटेनियम के दो मुख्य खनिज अयस्क हैं- **इल्मेनाइट (FeO.TiO2)** और **रूटाइल (TiO2)**
- **गुण:** हल्का वजन, कम घनत्व, संक्षारण रोधी (Corrosion resistance), उच्च गलनांक, आदि।
- **उपयोग:** मेडिकल इम्प्लांट में; पावर प्लांट कंडेनसर (समुद्री जल में संक्षारण रोधी हेतु) में; विमान के निर्माण में (एल्यूमीनियम सहित अन्य धातुओं के साथ मिश्र धातु बनाने में) आदि।

केले की खेती

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA) के अनुसार, **भारत ने पिछले एक दशक में केले के निर्यात में दस गुना वृद्धि दर्ज की है।**

- APEDA के अनुसार, **अगले 5 वर्षों में 1 बिलियन डॉलर मूल्य के केले के निर्यात का लक्ष्य** रखा गया है।

केले की खेती के बारे में

- **आदर्श जलवायु:** यह एक उष्णकटिबंधीय फसल है। इसकी खेती के लिए 15°C से 35°C के बीच तापमान और 75-85% की सापेक्ष आर्द्रता की आवश्यकता होती है।
- **आदर्श मृदा:** अधिक **गहरी और उपजाऊ दोमट मृदा,** जिसका **pH मान 6.5 - 7.5 के बीच** हो।
- इसकी खेती के लिए मृदा में अच्छी जल निकासी, पर्याप्त उर्वरता और नमी होनी चाहिए। मृदा **न तो बहुत अम्लीय और न ही अत्यधिक क्षारीय** होनी चाहिए।
- **केले की प्रमुख किस्में:** ड्वार्फ कैवेंडिश, रोबस्टा, मोनथन, पूवन, नेंद्रन, आदि।
- **प्रमुख उत्पादक राज्य:** आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात आदि।

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG)

- NMCG की कार्यकारी समिति ने गंगा नदी के कायाकल्प और स्वच्छता के प्रयासों को मजबूत करने के लिए कई मुख्य पहलें शुरू की हैं, जैसे- **चंदौली सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट** की स्थापना।
- **NMCG के बारे में**
  - वर्ष 2011 में **सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860** के तहत एक **सोसाइटी के रूप में पंजीकृत** है।
  - **जल शक्ति मंत्रालय** के तहत कार्य करता है।
  - **राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन प्राधिकरण (NGRBA) की कार्यान्वयन शाखा** के रूप में कार्य करता है।
    - NGRBA की स्थापना **पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986** के तहत की गई थी। **2016** में इसके **स्थान पर प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में राष्ट्रीय गंगा परिषद का** गठन किया गया था।
- इसका उद्देश्य नदी बेसिन दृष्टिकोण को अपनाकर गंगा नदी के प्रदूषण को **प्रभावी ढंग से खत्म करना तथा उसका संरक्षण और कायाकल्प सुनिश्चित** करना है।
- इसमें **दो स्तरीय प्रबंधन संरचना** शामिल है- **गवर्निंग काउंसिल** और **कार्यकारी समिति**। दोनों की अध्यक्षता NMCG **का महानिदेशक** करता है।

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (National Investigation Agency: NIA)

NIA ने **आतंकवाद और अपराध** से जुड़े प्रमुख मामलों को सफलतापूर्वक सुलझाकर **2024 में 100% दोषसिद्धि दर** प्राप्त की है।

NIA के बारे में

- मुंबई में 26 नवंबर, 2008 को हुए आतंकवादी हमलों के मद्देनजर NIA अधिनियम, 2008 के तहत **NIA की स्थापना** की गई है। यह **केंद्रीय आतंकवाद-रोधी कानून प्रवर्तन एजेंसी** है।
- **इसका मुख्यालय नई दिल्ली** में है। इसके **दो क्षेत्रीय कार्यालय गुवाहाटी और जम्मू** में है।
- **कार्य/ भूमिका:** यह भारत की संप्रभुता, सुरक्षा और अखंडता तथा अन्य देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों को प्रभावित करने वाले अपराधों की जांच करता है।
  - इन अपराधों की सूची **NIA अधिनियम, 2008 की अनुसूची** में दी गई है।

नोरोवायरस

- **यू.एस. सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन** ने नोरोवायरस मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि की सूचना दी है।
- **नोरोवायरस के बारे में**
  - यह एक **अत्यधिक संक्रामक वायरस है, जो जठरांत्र शोथ (Gastroenteritis)** का कारण बनता है। इसे आमतौर पर **"पेट के फ्लू (stomach flu)"** के रूप में जाना जाता है।
  - **लक्षणों** में मतली, उल्टी, दस्त आदि शामिल हैं।
  - नोरोवायरस, सामान्यतः **सभी प्रकार की पर्यावरणीय दशाओं के प्रति अपेक्षाकृत प्रतिरोधी** होते हैं, क्योंकि वे **शून्य से नीचे के तापमान के साथ-साथ उच्च तापमान (60 डिग्री सेल्सियस तक) में भी जीवित** रह सकते हैं।
  - यह वायरस मुख्य रूप से **ओरल-फेकल रूट** से फैलता है, या दूषित भोजन या पानी के सेवन से, या सीधे एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति के संपर्क में आने से फैलता है।
  - नोरोवायरस के इलाज के लिए अभी तक कोई विशिष्ट **दवा विकसित नहीं** हुई है।

न्यूट्रिनो

- वैज्ञानिक **उच्च ऊर्जा वाले न्यूट्रिनो (घोस्ट पार्टिकल)** का पता लगाने के लिए **भूमध्य सागर के नीचे दो टेलीस्कॉप्स** को स्थापित कर रहे हैं। ये दोनों टेलीस्कॉप्स **क्यूबिक किलोमीटर न्यूट्रिनो टेलीस्कोप (KM3NeT)** का हिस्सा हैं।
  - KM3NeT एक **डीप-सी रिसर्च इन्फ्रास्ट्रक्चर** है, जिसका निर्माण **भूमध्य सागर** में किया जा रहा। इसमें अगली पीढ़ी के न्यूट्रिनो टेलीस्कॉप्स की स्थापना की जाएगी।
    - ये टेलीस्कॉप्स अंटार्कटिका की जमी हुई बर्फ में स्थित आइसक्यूब न्यूट्रिनो वेधशाला के समान ही हैं।
- **न्यूट्रिनो के बारे में**
  - ये छोटे कण बिल्कुल **इलेक्ट्रॉन के समान** होते हैं, लेकिन **इनमें कोई विद्युत आवेश नहीं** होता है।
  - ये ब्रह्मांड में **मूलभूत उप-परमाणिक कणों** (Subatomic particles) में से एक हैं और **काफी संख्या** में मौजूद हैं।
  - **महत्त्व:** उच्च ऊर्जा वाले न्यूट्रिनो का अध्ययन करने से खगोल भौतिकी संबंधी जांच में मदद मिलती है, जैसे मिल्की वे आकाशगंगा, कॉस्मिक किरणें, डार्क मैटर आदि के बारे में नवीन जानकारी।

सुर्ख़ियों में रहे स्थल

त्रिनिदाद एंड टोबैगो (राजधानी: पोर्ट ऑफ स्पेन)

- हाल ही में, त्रिनिदाद एंड टोबैगो में हिंसा के कारण **आपातकाल की घोषणा** की गई है।
- **भौगोलिक अवस्थिति**
  - **अवस्थिति:** यह **अटलांटिक महासागर** में **दक्षिण-पूर्वी वेस्ट इंडीज** का एक **द्वीपीय देश** है।
    - यह **दक्षिण अमेरिका महाद्वीप** के करीब, **वेनेजुएला के उत्तर-पूर्व** और **गुयाना के उत्तर-पश्चिम** में अवस्थित है।
    - यह **कैरिकॉम (CARICOM) यानी कैरेबियन कम्युनिटी** का एक सदस्य है।
  - **भौगोलिक विशेषताएं**
    - **पर्वत श्रृंखलाएं:** यहां की **नदर्न रेंज,** वेनेजुएला में एंडीज पर्वत श्रृंखला की तटीय श्रृंखलाओं का विस्तार है।
    - **सबसे ऊँची चोटी:** माउंट अरिपो
    - **झील:** त्रिनिदाद में स्थित **पिच झील** दुनिया की सबसे बड़ी प्राकृतिक एस्फाल्ट झील है।
    - **प्रमुख नदियां:** ऑर्टोइरे और कारोनी